NEWS CLIPPING: 30.07.2020

PUNJAB KESARI

ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल ने उच्चतर शिक्षा के लिए खोले नए रास्ते: प्रो. दिनेश कुमार

कहा - अब विश्वविद्यालय विदेशी शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञता के क्षेत्र में फैकल्टी की सेवाएं लेने पर कर सकते हैं विचार

- प्रैक्टिकल परीक्षा के बिना इंजीनियरिंग की डिग्री देना एक तरह का अपराध, दिसम्बर में प्रैक्टिकल परीक्षाओं की योजना
- जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने फीस नियमों में दी है ढील, इंटरनेट शुल्क के लिए फीस में दी है छूट
- सेल्फ-फाइनेंसिंग मोड में चलने वाले प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में फीस में छूट देना मुश्किल

फरीदाबाद, 29 जुलाई(महावीर गोयल): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज कहा कि कोरोना महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों ने टीचिंग और लर्निंग का एक नया मिश्रित मॉडल विकसित किया है, जिसमें विद्यार्थियों को पारम्परिक कक्षाओं के साथ-साथ आनलाइन कक्षाओं का विकल्प मिला है।इसके साथ प्रैक्टिकल और वर्कशाप प्रशिक्षण में भी बदलाव आया है। हालांकि फिजिकल प्रैक्टिकल प्रशिक्षण का स्वरूप पहले जैसा ही रहने वाला है। अब उच्च शिक्षा का भविष्य टीचिंग और लर्निंग का यह नया मिश्रित मॉडल ही होगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार आज मुख्य वक्ता के रूप में अग्रवाल वैश्य समाज, हरियाणा द्वारा आगामी शिक्षा परिदृश्य - चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर आयोजित एक वेबिनार सत्र को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार के दौरान, उन्होंने शिक्षा में बदलते परिदृश्य पर प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल को एक बड़ी सफलता बताते हुए कुलपति ने कहा कि ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल ने शिक्षा क्षेत्र, विशेष रूप से उच्च शिक्षा में नए रास्ते खोले हैं और इसने शिक्षण को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है। अब विश्वविद्यालय ऐसा हो सकता हैं कि आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय विशेषज्ञता के क्षेत्र में ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों अथवा शीर्ष अनुसंधान प्रयोगशालाओं के संकायों और वैज्ञानिकों की सेवाओं पर विचार करें और यह अवसर हमारे संकाय सदस्यों के साथ उपलब्ध भी हो गया हैं। संसाधनों से वंचित या ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने में असमर्थ विद्यार्थियों के लिए सुविधा पर बल देते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों को ऐसे विद्यार्थियों के लिए परिसर खोलने के विकल्प दिया जाना चाहिए।

वेबिनार में शामिल प्रतिभागी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu,30 July 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

HINDUSTAN

पढ़ाई के क्षेत्र में आया बदलाव : कुलपति

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वेबिनार

- आगामी शिक्षा परिदृश्य चुनौतियां और संभावनाएं' वेबिनार किया
- ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल को एक बड़ी सफलता बताया

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) कोरोना महामारी के दौरान टीचिंग और लर्निंग का एक नया मॉडल विकसित किया है। इसमें विद्यार्थियों को पारम्परिक कक्षाओं के साथ ऑनलाइन कक्षाओं का विकल्प भी मिला है। वहीं, प्रैक्टिकल और वर्कशॉप प्रशिक्षण में बदलाव नहीं आया है। जबकि फिजिकल प्रैक्टिकल प्रशिक्षण में कोई बदलाव नहीं आया है। अब उच्च शिक्षा का भविष्य टीचिंग और लर्निंग का यह नया मिश्रित मॉडल ही होगा।

यह जानकारी वाईएसमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बुधवार को अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से आयोजित 'आगामी शिक्षा परिदृश्य - चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर आयोजित वेबिनार के दौरान दी।

उन्होंने ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल को एक बड़ी सफलता बताया। इस मॉडल ने शिक्षा के क्षेत्र में रास्ते खोल दिए हैं। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालयों में फ्रंटलाइन अनुसंधान सुविधाओं को विकसित करने की आवश्यकता को कहा। संसाधनों से वंचित छात्राओं के लिए ऑनलाइन कक्षाएं बेहतर विकल्प के रुप में सामने आया है। उनका कहना था कि विश्वविद्यालय की ओर से किए गए सर्वे के दौरान 40 विद्यार्थियों के पास मोबाइल फोन की सुविधा नहीं थी। ऐसे विद्यार्थियों को यह सुविधाएं मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे की उन्हें पढ़ाई के दौरान नुकसान नहीं हो।

उन्होंने एक प्रश्न के जबाब में कहा कि डिग्री प्रदान करने के लिए परीक्षा का आयोजन उच्च शिक्षा में मूल्यांकन का सबसे अच्छा मॉडल है। उनका विचार है कि अब मेडिकल व इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा फिजिकल मोड में आयोजित हो। जबकि लिखित परीक्षा ऑनलाइन या ऑफलाइन भी आयोजित किया जा सकता है। उनका कहना था कि अगर स्थिति सामान्य होती है तो जेसी बोस विश्वविद्यालय भी दिसंबर के महीने में प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित करने की योजना तैयार कर रहा है।

NEWS CLIPPING: 30.07.2020

AMAR UJALA

ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग ने उच्च शिक्षा के नए रास्ते खोले : प्रो. दिनेश

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार का मानना है कि कोरोना ने कई परेशानियों के साथ कई मौकों को भी जगह दी है। महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों में टीचिंग-लर्निंग का एक नया मिश्रित मॉडल विकसित हुआ है। पारंपरिक कक्षाओं के साथ-साथ ऑनलाइन कक्षाओं का विकल्प मिला है। इसके साथ प्रैक्टिकल और वर्कशाप प्रशिक्षण में भी बदलाव आया है। हालांकि फिजिकल प्रैक्टिकल प्रशिक्षण का स्वरूप पहले जैसा ही रहने वाला है। अब उच्च शिक्षा का भविष्य टीचिंग और लर्निंग का यह नया मिश्रित मॉडल ही अपनाएंगे।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में अग्रवाल वैश्य समाज, हरियाणा द्वारा 'आगामी शिक्षा परिदृश्य-चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर आयोजित एक वेबिनार सत्र को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार के दौरान, उन्होंने शिक्षा में बदलते परिदृश्य पर प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दिया। ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल को एक बड़ी सफलता बताते हुए कुलपति ने कहा कि ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग मॉडल

वेबिनार में भाग लेते विशेषज्ञ।

विदेशी शिक्षण संस्थानों से क्षेत्र विशेष के विशेषज्ञों की सेवाएं संभव

ने शिक्षा क्षेत्र, विशेष रूप से उच्च शिक्षा में नए रास्ते खोले हैं। शिक्षण को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है। विश्वविद्यालय विशेषज्ञता के क्षेत्र में ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों अथवा शीर्ष अनुसंधान प्रयोगशालाओं के संकायों और वैज्ञानिकों की सेवाओं पर विचार करें, ऐसी समय की मांग है।

जेसी बोस विवि के सर्वेक्षण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि केवल 40 विद्यार्थी ही ऐसे मिले हैं जिनके पास मोबाइल फोन की सुविधा नहीं हैं। विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को सुविधा देने के लिए प्रत्यनशील है, ताकि उनके अध्ययन का नुकसान न हो।

NEWS CLIPPING: 30.07.2020

NAVBHARAT TIMES

शिक्षा में हो रहे बदलावों पर हुई चर्चा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी में आगामी शिक्षा परिदृश्य- चुनौतियां व संभावनाएं विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। अग्रवाल वैश्य समाज की तरफ से आयोजित इस वेबिनार में यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों ने टीचिंग व लर्निंग का एक नया मिश्रित मॉडल विकसित किया है, जिसमें छात्रों को पारंपरिक क्लासों के साथ-साथ ऑनलाइन क्लासों का विकल्प मिला है। इसके साथ प्रैक्टिकल व वर्कशाप प्रशिक्षण में भी बदलाव आया है।